दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

श्री महावीरजी

त्रैमासिक पत्रिका

• www.shrimahaveerji.com • online booking: www.mahaveerji.org

वर्ष-2 (अंक: 1-2) त्रैमासिक | सन् 2012 | अहिंसा परमो धर्म: | वीर निर्माण सम्वत् 2538 | आधुनिकीकरण अंक

नमन !

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी राजस्थान का सुविख्यात तीर्थ स्थल है। यहां पूरे भारत व विदेशों से श्रद्धालु पधारते रहते हैं।

तीर्थ यात्रियों की सेवा के लिए ही तीर्थ-क्षेत्र की प्रबन्धकारिणी कमेटी तन-मन-धन से प्रयासरत है।

सभी आगन्तुकों को हर दिन और वार्षिक मेले के सुअवसर पर पर्याप्त आवास सुविधायें, शुद्ध भोजन, जल की सुविधायें प्राप्त हो, कर्मचारियों का अच्छा व्यवहार हो व पारदर्शिता बनी रहे, इसके लिए सभी के सहयोग से अतिशय क्षेत्र में आधुनिक व डिजिटल योजनाओं का सूत्रपात भी किया गया है। यह द्वितीय वर्ष का आधुनिकीकरण अंक आपकी सेवा में समर्पित है।

आभार सहित,
जस्टिस एन. के. जैन
अध्यक्ष

राजस्थान में महावीर जी :

भारत का हृदय है राजस्थान, जहाँ सदैव शौर्य, वीरता और भक्ति की त्रिवेणी प्रवाहित रही है। राजस्थान के ही करौली जिले में 'दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी' स्थित है। यह तीर्थ-स्थल जैन-अजैन सभी का श्रद्धा, आस्था व भक्ति का केन्द्र है। यहां विराजित तीर्थंकर महावीर की दिगम्बर मूंगावर्णी मूर्ति जन-जन की आस्था का केन्द्र है, वहीं अध्यात्म-सेवी धर्म पिपासुओं की प्यास बुझाते हैं। यह तथ्य इसलिए स्वयंसिद्ध है कि 'महावीर बाबा' का उद्भव-स्थल ही पुण्य भूमि है। अत: 'चांदनवाले बाबा' का यह प्राकट्य सिद्ध ही नहीं परम सिद्ध है। जैन धर्म की कीर्ति पताका है। यहां महावीर बाबा के दर्शनों से ही श्रद्धालुओं का मन प्रफुल्लित हो जाता है।

अतिशय क्षेत्र की स्थिति :

यह सुविख्यात दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र 'श्री महावीरजी' राजस्थान के पूर्वी अंचल में करौली जिले के हिण्डौन उपखण्ड में गम्भीर नदी के तट पर स्थित है। नई दिल्ली से मुम्बई को जाने वाली पश्चिमी-मध्य रेल्वे की बड़ी लाइन पर 'श्री महावीरजी' नामक रेल्वे स्टेशन है, जहां सभी प्रमुख रेलगाड़ियां ठहरती हैं। स्टेशन से तीर्थस्थल 7 किलोमीटर दूर है। यात्रियों के स्टेशन आने-जाने के लिए क्षेत्र कमेटी की ओर से नि:शुल्क बस की सुचारु व्यवस्था है। सड़क मार्ग से भी श्री महावीरजी अनेक नगरों से जुड़ा हुआ है। यह उल्लेखनीय है कि श्री महावीरजी रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म पर भी महावीर स्वामी के एक विशाल चित्र स्तम्भ को नया रूप दिया गया है, जिनके दर्शन चलती ट्रेन से कर यात्रीगण अभिभूत होते हैं। रात्रि में चित्र पर रोशनी का प्रबन्ध भी है।

मूर्ति का पुरातत्व प्रमाण

M.C. Joshi
Director General
(Tel : 3014821)

D. O. No.
Government of India
Archeological Survey of India
Janpath, New Delhi – 110011
25th September, 1991

Dear Sir,

Please refer to your letter No. 3758 dated 18th September, 1991 regarding the date & antiquity

प्राकृत अपभ्रंश के प्राध्यापकों के सम्मेलन के समापन समारोह में कमेटी, संस्थान के सदस्य एवं विद्वान

वार्षिक मेले के अवसर पर विकलांगों को ट्राईसाईकिल भेंट करते हुए श्रीमती रुकमणि देवी जी एवं श्री अशोक जी बख्शी

वार्षिक मेले के अवसर पर रथयात्रा के पश्चात क्षेत्र कमेटी एवं वीरसेवक मण्डल के सदस्य

- क्षेत्र पर उपलब्ध आनलाईन नेटवर्क व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए हाल ही में नई टेक्नोलॉजी के नये 8 कम्प्यूटर बदले गये। अन्य उपकरणों की कार्यवाही प्रगति पर है।
- अपभ्रंश साहित्य अकादमी व पुस्तकालय बनाने के लिए मालवीय नगर के संस्थानिक एरिया में प्लॉट नम्बर 5 व 6 की भूमि राजस्थान सरकार से रियायती दर पर स्वीकृति प्राप्त की गई।
- क्षेत्र पर संचालित अन्नपूर्णा भोजनालय में नई टेक्नोलॉजी के ''सोलर स्टीम कूकिंग सिस्टम'' स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।
- इसके अलावा अन्नपूर्णा भोजनालय में ही सेमी ऑटोमेटिक चपाती मैकिंग मशीन, डग नीडिग मशीन एवं वार्मर मशीन स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।
- क्षेत्र पर खारे पानी की समस्या से निजात पाने की दृष्टि से ''स्केल मूवर'' मशीन बतौर परीक्षण स्थापित की गई।
- क्षेत्र के अधीनस्थ दिगम्बर जैन मंदिर पीलोदा पर गुम्बद का निर्माण करवाया गया। क्षेत्र के अधीनस्थ दिगम्बर जैन मंदिर जमवारामगढ़ में व्यवस्थापक के कक्ष का कार्य अधिकांशत: पूर्ण हो गया है।

आकर्षक रथयात्रा : वार्षिक मेले का मुख्य आकर्षण वैशाख कृष्णा प्रतिपदा को निकलने वाली आकर्षक एवं भव्य रथयात्रा में गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में निकली है। रथ का संचालन परम्परानुसार हिण्डौन के उप जिला कलक्टर राज्य सरकार के प्रतिनिधि के रूप में करते हैं। उप जिला कलेक्टर के साथ प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष ने

1. वार्षिक मेले के अवसर पर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए माननीय जिलाधीश, जिला न्यायाधीश, पुलिस अधीक्षक व क्षेत्र के पदाधिकारी एवं सदस्य गण।
2. माननीय राज्यमंत्री श्री राजकुमार जी शर्मा का स्वागत करते हुए अध्यक्ष एवं मानद मंत्री।

रथ पर बैठकर यात्रा का संचालन किया। जिले में उस दिन माननीय कलक्टर द्वारा राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है। मेले का आकर्षण देखने योग्य होता हैं। विदेशी पर्यटकगण फोटो संग्रहित करके विदेशों में ले जाते हैं।

पद यात्राएँ : जैन तीर्थ क्षेत्रों में सम्भवत: सबसे अधिक पदयात्राएं चांदनपुर बाबा के दर्शनों के लिए आयोजित होती हैं। जयपुर से प्रतिवर्ष तीन पद यात्राओं के अलावा लगभग अधिकांश जिले से बाबा के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में पदयात्री यहां आते हैं। पद यात्रियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि होती जा रही है।

श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी के अब तक सभी सम्माननीय 97 सदस्यों का जीवन परिचय तैयार कर प्रकाशित करने का कार्य प्रगति पर है।

नमन् :
तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी जी के
श्री चरणों में शत-शत नमन्

1. वार्षिक रथयात्रा के लिए सारथी श्री पेमाराम जी, एस.डी.ओ. व अध्यक्ष 2. आचार्य विरागसागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए सदस्य गण 3. रथयात्रा का मनमोहक दृश्य

मैनेजर कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
श्री महावीरजी (जिला करौली) राजस्थान -322220
दूरभाष : 07469-224323, 224339
www. shrimahaveerji.com
Online Room Booking : www.mahaveerji.org
e-mail: mahaveerjitrust@gmail.com

मंत्री कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
कुन्दकुन्द भवन परिसर, दिगम्बर जैन नसियाँ, भट्टारकजी
सवाई रामसिंह रोड, जयपुर-302004
दूरभाष : 0141-2385783, 2385784

सम्पादक मण्डल : न्यायमूर्ति एन.के. जैन, महेन्द्र कुमार पाटनी, डॉ. कमलचन्द सौगाणी, एम.एल. धोंकरिया के लिए राजू ग्राफिक आर्ट, अजमेरी गेट, जयपुर से मुद्रित।
प्रकाशक : प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, जयपुर (राजस्थान)

of Jain Image installed in the famous shrine of Mahaveerji. I had examined this image carefully and feel that stylistically it may be dated circa 11th Century A.D., Thanking you and with regards.
Yours sincerely

Sd
(M.C.Joshi)

मंदिर के चौक में दायें व बायें बरामदे में ऐतिहासिक खड्गासन प्रतिमा

मंदिर के चौक में पूर्व के बरामदे की वेदी में भगवान पुष्पदंत की खड्गासन मूँगावर्णी व पश्चिम के बरामदे की वेदी में भगवान विमलनाथ की खड्गासन मूँगावर्णी प्रतिमा विराजमान है, जिनका पंचकल्याणक आचार्य श्री 108 विद्यानन्दजी मुनिराज के पावन सान्निध्य में 1 फरवरी, 1998 से 5 फरवरी, 1998 तक हुआ। ये प्रतिमाएँ हिण्डौन में भू-गर्भ से निकली थीं।

क्षेत्र द्वारा संचालित सेवा प्रवृत्तियां :

अतिशय क्षेत्र में निरन्तर संचालित सेवा-इकाइयां

1. पानी व रोशनी
2. डाक-तार व एस. टी. डी.
3. उपयोगी बैंक सेवा
4. विकसित बाजार (कटला व कटला से बाहर)
5. शिक्षा प्रसार
6. व्यापक स्तर पर असमर्थ सहायता व छात्रवृत्ति वितरण
7. **जैनविद्या संस्थान :** पत्राचार पाठ्यक्रम, महावीर पुरस्कार
   - पाण्डुलिपि शोध, पुस्तकालय व वाचनालय,
   - प्रकाशन सेवा
   - शिविर एवं गोष्ठी
   - सार्वजनिक विक्रय केन्द्र, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, स्वयंभू अपभ्रंश पुरस्कार व धरसेनाचार्य प्राकृत पुरस्कार

चिकित्सा सुविधायें : निरन्तर विकास की ओर

- आयुर्वेद औषधालय एवं रसायन शाला
- प्राकृतिक चिकित्सालय
- विकलांग पुनर्वास
- अस्पताल व प्रसूति गृह
- राजकीय एलोपैथिक डिस्पेन्सरी

1. कटले के बाहर धर्मशालायें
2. स्वागतकक्ष
3. उपभोक्ता भण्डार
4. अन्नपूर्णा भोजनालय
5. सुरुचि जलपानगृह
6. विभिन्न नि:शुल्क चिकित्सा शिविर
7. सुरक्षा व्यवस्था में विस्तार

दिनांक 26 फरवरी, 2011 के बाद नव निर्वाचित पदाधिकारी व सदस्यों द्वारा किये गये विकास कार्यों का संक्षिप्त ब्यौरा :

नई व आधुनिक सेवा योजनायें : अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में वर्तमान प्रबंधकारिणी कमेटी ने आधुनिक योजनाओं का सूत्रपात किया है और उन्हें क्रियान्वित करना शुरू कर दिया है : -

- प्रबन्धकारिणी कमेटी ने प्रत्येक उप समिति के संयोजक को सहयोग करने के लिए 30 सदस्य मनोनीत किये।
- विभिन्न धर्मशालाओं में कमरों की ऑन लाइन बुकिंग के लिए वेबसाइट, जिसका लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत साहब के द्वारा किया गया।
- मंदिर, मंदिर परिसर व ध्यान केन्द्र में सुरक्षा के लिए इन्फ्रारेड़ सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये गये।

जन स्वास्थ्य व कानूनी जानकारी के लिए पुरजोर प्रयास :

- कमेटी ने क्षेत्र के लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ करवाने के लिए श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूति गृह, श्री महावीरजी में हर माह की एक निश्चित तारीख पर नि:शुल्क रोग निदान व जागरूकता शिविर लगाये, जिसका उद्घाटन क्रमश: माननीय न्यायाधिपति श्री यादराम जी मीणा, पूर्व मुख्य न्यायाधिपति गुजरात व सरपंच श्रीमती हरप्यारी जी द्वारा किया गया। इसमें भगवान महावीर कैंसर अस्पताल, जयपुर; डॉ. लवनीश जी जैन, लवनीश ई.एन.टी. अस्पताल; डॉ. लोकश जी जिंदल, भरतपुर आदि का योगदान रहा।
- जिला न्यायाधीश, सिविल जज, हिण्डौन, सी.जे.एम. एवं सिविल जज (जे.डी.) श्री महावीरजी क्षेत्र के सहयोग से विधिक जागरूकता शिविर कानूनी जानकारी के लिए आयोजित किये। विविध शिविरों में वृद्धों व विधवाओं को पेंशन, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के लिए सोशल सिक्योरिटी फाउण्डेशन व पीपुल्स ट्रस्ट,जयपुर का सहयोग मिला।
- **मंदिर में जीर्णोद्धार से निखार** - स्व. अतरसैन जी जैन एवं स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी जी जैन, मुम्बई के परिवारजनों के सहयोग से निज मंदिर के मुख्य गुम्बद व 6 बड़े शिखरों के साथ अन्य 17 छोटे शिखरों पर स्वर्ण कलश लगवाये गये। निज मंदिर के शिखरों को मूल रूप में लाया गया।

वास्तविक स्वरूप में मंदिर-तीन शिखर व गुम्बद के साथ

- निज मंदिर की तीनों प्रतिमाओं के आगे चिह्न धर्मानुरागी श्री महावीर प्रसाद जी, कोटा; भगवान महावीर स्वामी की मुख्य वेदी की प्रतिमा के आगे छत्र क्रमश: धर्मानुरागी सर्वश्री पुष्प कुमार जी व पराग जी, गाजियाबाद; अर्जुन देव जी सर्राफ, हिसार; श्रेयांशकुमार जी व सोनिल जी जैन एवं श्री महावीर प्रसाद जी, दिल्ली के सहयोग से।
- वृद्ध, असहाय व विकलांग यात्रियों की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में लिफ्ट लगाने का कार्य प्रगति पर है।
- क्षेत्रपाल जी की दोनों वेदियों पर मुकुट, कवच कोट, त्रिशूल, छड़ी कणकती एवं छत्र सर्वश्री राजेन्द्र कुमार जी, अजय कुमार जी, सुनील कुमार जी व विकास जी जैन, दिल्ली पारस चैनल वालों के सहयोग से।
- गन्दोदक दान सर्वश्री सुरेश चन्द जी, आशीष कुमार जी, गाजियाबाद वालों द्वारा।
- गुम्बज में छत्र श्री सुरेन्द्र कुमार जी, श्री नरेश चन्द जी, दिल्ली वालों के सहयोग से
- कटला स्थित चार कमरों व पुराने कमेटी कक्ष परिसर का जीर्णोद्धार कराया। चरण छत्री धर्मशाला के 55 छोटे कमरे, शौचालय व स्नानगृह की मरम्मत कराई गई।
- कटला परिसर में यात्रियों के प्रक्षाल हेतु नहाने के लिए नया सोलर वाटर सिस्टम स्थापित किया गया। प्राकृतिक चिकित्सालय में मरम्मत कार्य, इन्वर्टर लगाने के साथ पानी की टंकी बनाई गई।

आचार्यश्री विद्यानन्द जी मुनिराज भगवान महावीर व मंदिर चित्रित चांदी के सिक्के का लोकार्पण करते हुए, साथ में अध्यक्ष, मंत्री व सदस्यगण।

- भगवान महावीर व मंदिर चित्रित दस ग्राम के चांदी के सिक्के का आचार्य विद्यानन्द जी मुनिराज ने दिल्ली में लोकार्पण किया।
- मंदिर परिसर में मंदिर फीडर व सिटी फीडर उचित स्थानों पर शिफ्ट करवाये गए हैं। 200 के.वी. व 320 के. वी. के 2 डी.जी. सैट लगवाये गये।
- बाजार की दुकानों के ऊपर बने 13 कमरों का रिनोवेशन करवाया व करीब 1380 फीट की सीवर लाइन डाली गई। साथ ही मुस्लिम बस्ती की तरफ 810 फीट की एक और सीवर लाइन डाली गई। बाग में सेप्टिक टैंक बनाया गया। मुख्य सड़क की नालियों को ढकने का कार्य किया गया।
- बैंक भवन के नवीनीकरण का कार्य प्रगति पर है।
- श्री महावीरजी के रोडवेज बस स्टैण्ड के पास निर्माणाधीन लाला उमराव सिंह जैन वातानुकूलित धर्मशाला में 48 कमरों के निर्माण की स्वीकृति दी गई। कार्य प्रगति पर है।
- ट्रेन में बैठे- बैठे ही भगवान महावीर के दर्शनार्थ, रेल्वे स्टेशन पर लगा भगवान महावीर का मनोहारी चित्र ठीक करवाया गया।
- यात्रियों को रेल्वे स्टेशन से मंदिर तक नि:शुल्क लाने व ले जाने हेतु दो नई बस क्रय की गई।

शिक्षा, साहित्य एवं अन्य क्षेत्रों में भी प्रभावी भूमिका:

- प्रबन्धकारिणी कमेटी की ओर से संचालित जैन विद्या संस्थान व इन्टरनेशनल समर स्कूल ऑफ जैन स्टडीज के सहयोग से विदेशी स्कॉलर्स का समर कैम्प आयोजित किया गया। जयपुर स्थित नसियां भट्टारकजी परिसर में वृक्षारोपण कर वृक्ष बचाने व शहर को प्रदूषण रहित करने का भी संदेश दिया।

विदेशी छात्रों के साथ कमेटी के सदस्य एवं विद्या संस्थान के विद्वान एवं समर स्कूल के निदेशक एस.सी. जैन

- पाण्डुलिपि दिवस पर पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी लगाई गयी। प्राकृत-अपभ्रंश अध्यापकों का सम्मेलन हुआ। महावीर पूजांजलि, पउमचरिउ, जैन धर्म के आचार शास्त्रीय सिद्धान्त भाग-3, प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी अनुवाद) जैसी पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। अपभ्रंश साहित्य अकादमी (जैन विद्या संस्थान) की वेबसाइट शुरू की गई।।

Apbhransh Sahitya : http://apa.jainapa.com

- pra.jainapa.com
- jvs.jainapa.com
- award.jainapa.com
- manuscriptu.jainapa.com

- जयपुर में नसियां भट्टारकजी में स्थित जैनविद्या संस्थान में श्री पयोनिधिजी कासलीवाल के सहयोग से विद्वानों के बैठने व पुस्तकालय के लिए उपयुक्त व्यवस्था की गई।
- यात्री निवास के 4 ब्लॉकों के 48 हॉल के, बी ब्लॉक में 8 एवं सी ब्लॉक में 12 डारमेट्री का नवीनीकरण करवाया गया।
- यात्री निवास में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमंड, जयपुर के अध्यक्ष श्री यशकमल जी अजमेरा व सदस्यों ने अपनी पत्नियों के साथ वृक्षारोपण किया व सफाई अभियान में भाग लिया।
- भारतीय डाक विभाग द्वारा श्री महावीरजी जैन मंदिर पर पिक्चर कार्ड-मय स्टेम्प एवं चित्रात्मक मोहर, स्टेट लेवल स्टाम्प प्रदर्शनी में श्री राजेशजी पहाड़िया के सहयोग से राजस्थान सर्किल, जयपुर द्वारा जारी हुआ है।

Picture Card, 'My Stamp' & Permanent Pictorial Cancellation On Shri Mahaveerji Jain Temple issued by Department of Post, Govt. of India on the occasion of 13th State Level Stamp Exhibition "Rajrex 2012" held at Jawahar Kala Kendra, Jaipur